



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

22 फाल्गुन, 1947 (श०)

संख्या - 115 राँची, शुक्रवार,

13 मार्च, 2026 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ।

संकल्प

07 जनवरी, 2026

संख्या- 5/आरोप-1-13/2021 का० 106 --चूँकि झारखण्ड के राज्यपाल को यह विश्वास करने का कारण है कि श्री जीत राय मुर्मू झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-283/20), तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, पाण्डू, पलामू के विरुद्ध उपायुक्त, पलामू के पत्रांक-768 दिनांक 14.08.2021 द्वारा आरोप पत्र गठित कर उपलब्ध कराया गया है।

आरोप पत्र में श्री मुर्मू के विरुद्ध प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटन में निष्ठापूर्वक कार्य नहीं करने, लाभुकों के चयन एवं भुगतान में अनियमितता बरतने, इंदिरा आवास नव निर्माण योजना (नक्सल प्रभावित क्षेत्र) के लाभुकों को पुनः प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने तथा भुगतान करने श्रीमती प्रभा देवी का नाम इंदिरा आवास एवं प्रधानमंत्री आवास के लाभुक सूची में रहने के बावजूद उन्हें किसी प्रकार का भुगतान नहीं करने, पक्षपातपूर्ण एवं विद्वेषपूर्ण रवैया अपनाने संबंधी आरोप प्रतिवेदित किया गया है।

2. श्री मुर्मू के विरुद्ध गठित आरोप पत्र पर माननीय मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त कर गठित आरोपों की जाँच हेतु झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-17 के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया। तदनुसार विभागीय संकल्प सं0-24298 (HRMS), दिनांक 15.10.2023 द्वारा श्री मुर्मू के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गई है।

3. विभागीय जाँच पदाधिकारी-सह-संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-321, दिनांक 21.02.2025 द्वारा जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। समर्पित जाँच प्रतिवेदन में श्री मुर्मू के विरुद्ध गठित आरोप को प्रमाणित प्रतिवेदित नहीं किया गया है।

4. विभागीय जाँच पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन के अवलोकन से स्पष्ट है कि विभागीय कार्यवाही के संचालन के दौरान दस्तावेजी साक्ष्यों को Exhibit करने, संबंधित गवाहों / सरकारी सेवकों को परीक्षण एवं प्रतिपरीक्षण नहीं किया गया है।

5. माननीय झारखण्ड झारखण्ड उच्च न्यायालय के द्वारा कतिपय मामलों में विभागीय कार्यवाही/अनुशासनिक कार्यवाही के दौरान साक्ष्यों को Exhibit नहीं करने, साक्ष्यों का परीक्षण संबंधित गवाहों / सरकारी सेवकों से नहीं कराये जाने एवं आरोपी पदाधिकारी के द्वारा प्रतिपरीक्षण नहीं कराये जाने के कारण सरकार के द्वारा आरोपी सरकारी सेवक के विरुद्ध अधिरोपित शास्ति को निरस्त कर दिया जाता है।

6. अतः झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील), नियमावली, 2016 के नियम-18 (1) के तहत दस्तावेजी साक्ष्यों को Exhibit करने, संबंधित गवाहों /सरकारी सेवकों को परीक्षण एवं प्रतिपरीक्षण हेतु पुनः विभागीय कार्यवाही संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

7. तदनुसार एतद् द्वारा श्री मुर्मू को आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प के प्राप्त होने की तिथि से पन्द्रह दिनों के अंदर जाँच हेतु नीचे नियुक्त संचालन पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर दस्तावेजी साक्ष्यों को Exhibit करने, संबंधित गवाहों / सरकारी सेवकों को परीक्षण एवं प्रतिपरीक्षण हेतु संचालित विभागीय कार्यवाही में शामिल हों तथा तत्संबंधी सूचना से इस विभाग को भी अवगत कराएँ।

8. श्री मुर्मू के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में पुनः आगे जाँच के लिए झारखण्ड के राज्यपाल द्वारा श्री संजय सिन्हा, से०नि० भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

9. श्री मुर्मू के विरुद्ध विभागीय संकल्प सं०-24298 (HRMS), दिनांक 15.10.2023 द्वारा संचालित विभागीय कार्यवाही में निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पलामू उपस्थापन पदाधिकारी के रूप में नामित किये गये हैं।

10. श्री मुर्मू के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही से संबंधित मूल अभिलेख श्री संजय सिन्हा, से०नि० भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी को वापस करते हुए अनुरोध है कि दस्तावेजी साक्ष्यों को Exhibit करने, संबंधित गवाहों / सरकारी सेवकों को परीक्षण एवं प्रतिपरीक्षण कराते हुए यथाशीघ्र जाँच प्रतिवेदन समर्पित करेंगे।

11. विभागीय कार्यवाही के प्रस्ताव में सरकार का आदेश प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को राजकीय गजट में प्रकाशित कराया जाय एवं इसकी प्रति (आरोप पत्र एवं साक्ष्य कागजात सहित) श्री जीत राय मुर्मू, झा०प्र०से० एवं श्री संजय सिन्हा, से०नि० भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी, झारखण्ड, नगर प्रशासन भवन, एच.ई.सी., गोलचक्कर, धुर्वा, राँची को जानकारी एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

चिन्टू दोराईबुरु
सरकार के संयुक्त सचिव ।
